मिशन मोदी के उद्देश्य

भारत के आध्यात्मिक ज्ञान और दर्शन ने भारत राष्ट्र को न केवल उदात्त जीवन दिया है बल्कि इसे परम वैभव पर भी स्थापित कर विश्व गुरु बनाया था। भारतीय संस्कृति विश्व को एक कुटुंब के रूप में मानती है और हमेशा विश्व के कल्याण की कामना करती है जो एक श्रेष्ठ संस्कृति का परिचायक है। अपना देश प्राचीन काल से ही आध्यात्मिक गुरु के रूप में विश्व का मार्गदर्शक रहा है। भारतीय ग्रंथों ने समस्त संसार को ज्ञान और विज्ञान की शिक्षा दी है। भारत की शौर्य गाथा तथा धन संपदा भी पूरे विश्व में अतुलनीय रही है। इतना सुसंस्कृत, समृद्ध, शक्तिशाली होने के बाद भी भारत विश्वास के प्रथम पांच शीर्ष स्तर पर सुशोभित नहीं है। इसका बड़ा कारण राजनीतिक नेतृत्व, उंच – नीच, भेदभाव, जाति – धर्म की विचारधारा का प्रवाह कर समाज का बंटवारा किया जिसकी वजह से हमें गुलामी तक का दंश झेलना पड़ा। देश कहने को स्वतंत्र हुआ पर सांस्कृतिक, आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक रूप से हम स्वतंत्र नहीं हो सके।

इस बीच घोर अंधकार में एक नई रोशनी के रूप में माननीय श्री मोदी जी का राजनीतिक नेतृत्व देश को वर्ष 2014 में प्राप्त हुआ । अत्यंत विषम एवं विपरीत परिस्थितियों में मोदीजी के हाथों में राष्ट्र की बागडोर आयी ।यह कोई सामान्य घटना नहीं बल्कि इसे एक दैवीय शक्ति का निर्णय ही कहा जायेगा ।
अंततः वर्ष 2019 में मतदाताओं ने फिर एक बार मोदी सरकार के नारे को साकार कर दिखाया। विपक्षी दलों की तमाम घेरेबंदी के बावजूद मोदी मैजिक जमकर चला। एकाध राज्यों को छोड़ दें तो पूर्व से लेकर पश्चिम और उत्तर से लेकर दक्षिण तक कमल खिलता नजर आया। 48 साल बाद किसी एक दल को लगातार दूसरी बार पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने का जनादेश मिला है। मार्च के अंत में एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि "पिछले पांच साल पुराने गड्ढों को भरने में निकल गये। अभी भव्य इमारत बनाने का काम बाकी है।"

देश ने "मिशन मोदी अगेन पी.एम." की सक्रिय योजनाओं में अपना विश्वास व्यक्त करते हुये प्रधानमंत्री के रूप में श्री नरेंद्र मोदी को पुनः पदस्थापित किया है। इस नाते सभी की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिये 'मिशन मोदी' का प्रत्येक सदस्य इस 'भव्य इमारत' की एक–एक ईंट बनने के लिये संकल्पित है।

मोदी जी का संसार लोहा मान रहा है। अभी बीते चुनाव में 59 दिनों मे 142 चुनाव सभाएं और 1,33,329 किलोमीटर की यात्राएं भी असाधारण बात हो गई है। आपने अंतिम दौर में केदारनाथ–बद्रिनाथ जाकर यह भी बता दिया कि भारतीय शक्ति का स्रोत क्या है।

मोदी जी के नेतृत्व में जिस प्रकार कश्मीर का कायाकल्प किया गया तथा चीन व पाकिस्तान के साथ आंख से आंख मिलाकर देश ने बात की उससे "राष्ट्रवाद" की अवधारणा सदा के लिये सुदृढ़ हो गयी। पाकिस्तान पर दो बार सर्जिकल स्ट्राइक और अपने जांबाज पायलट को जिस गौरव के साथ भारत वापस लाया गया उससे देश के नागरिक आश्वस्त हो चुके हैं कि अपना राष्ट्र सुरक्षित हाथों में है।

मिशन आवश्यक क्यों !

माननीय मोदीजी के व्यक्तित्व, कार्यों व नीतियों से प्रभावित होकर जो लोग चाहते हैं कि मोदीजी ही पुनः देश के प्रधानमंत्री बनें परन्तु संगठनात्मक रुप से वे कहीं संगठित नहीं हैं, ऐसी बिखरी शक्तियों को एक एकजुट कर उनको प्लेटफार्म प्रदान करना 'मिशन' का प्रमुख उद्देश्य है।

युवाओं को 'मोदी बनना और मोदी बनाना' ही वास्तव में मिशन का संकल्प है।

प्रधानमंत्री मोदी जी के सशक्त नेतृत्व में देश विश्वव्यापी अर्थव्यवस्था, भ्रष्टाचार मुक्त शासन, सामाजिक सहभागिता और राष्ट्रवाद के प्रति 'मिशन मोदी अगेन पी.एम.' प्रतिबद्ध है।

स्मार्ट लर्निंग सेंटर, सामुदायिक रसोई, ग्राम वन, गांव में पुस्तकालय, बच्चों के लिये झूले, बैटरी चार्जिंग स्टेशन, सड़क, बिजली, स्ट्रीट लाइट, साफ पानी, आर.ओ. वाटर की सुविधा से गाँवों का समग्र विकास करने में योगदान देना।

सरकार योजनायें बनाती हैं और उसे लागू करती है किंतु जनता उस पर कितना ध्यान देती है, यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। सामान्यतया इस दिशा में कोई ठोस कार्य नहीं होता है। जन–जागरुकता बढ़ाने के लिये सभी प्रकार के संचार माध्यमों सामूहिक प्रयासों, शिक्षण–प्रशिक्षण, संकट–प्रबंधन, स्वास्थ्य हेतु समंवित प्रयासों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का संकल्पित लक्ष्य है।

बेरोजगारी और मनोरंजन के साधनों की कमी भी घाटी के युवकों को आतंकवाद की ओर धकेलने के कारण बने हैं। सुबह से शाम तक बिना काम घूमने वाले युवा, आतंकवादी समूहों के हत्थे आसानी से चढ़ जाते थे। पत्थर फेंकने जैसे काम के लिये उन्हें 200–400 रुपये मिल जाते थे। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए राज्यपाल शासन के दौरान जम्मू – कश्मीर में 'यूथ एंगेजमेंट कार्यक्रम' शुरू किये गये। अब राज्य के करीब 4 लाख छात्र व युवा इस कार्यक्रम के अंतर्गत खेल, सांस्कृतिक आदि गतिविधियों में हिस्सा ले रहे हैं।

यह उदाहरण पूरी तरह से स्पष्ट कर देता है कि 'मिशन' विपरीत स्थितियों में सकारात्मक पहल के माध्यम से मोदी जी के सारे सपनों के क्रियांवयन में अपना धरातल पर सहयोग प्रदान करेगा।

कार्य योजना

1 पी.एम. किसान योजना के व्यावहारिक पहलू को व्यापक आयाम देना।
2 चंद्रयान–2 के प्रक्षेपण से यह सुनिश्चित हो गया कि अगले स्पेस स्टेशन की प्रक्रिया में भारत शामिल रहेगा इसको सुनिश्चित करने हेतु व्यापक प्रचार–प्रसार करना।
3 वर्षा जल बचा कर और सीवेज के पानी को दोबारा उपयोग लायक बनाकर जरूरत पूरी करने को सुगम बनाने में सहयोग करना।
4 लोक सेवा में बुनियादी बदलाव के संबंध में सरकार को फीड–बैक देना।
5 व्यायाम, योगासन और वनस्पतियों से जीवन को संयम में लौटाने के लिये शिविरों का आयोजन करना।
6 'स्वच्छता' कार्यक्रम के आंदोलन को सतत आगे बढ़ाने के लिये शिविरों का आयोजन करना।
7 मैकाले की शिक्षा पद्धति को विदा करने के संबंध में सेमिनारों का आयोजन करना।
8 मै दहेज नहीं लूंगा, हम बाल–विवाह नहीं करेंगे, मैं पानी व्यर्थ नहीं करुंगा जैसे अभियानों में करोड़ों लोगों को जोड़ने की योजना में सक्रिय योगदान देने हेतु कार्यशालाओं का आयोजन करना।
9 वर्ष 2025 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में स्टार्टअप इंडिया के साथ युवाओं को 'जॉब–सीकर' से 'जॉब–क्रिएटर' बनाने की मुहिम में समय–समय पर बैठकों का आयोजन करना।

मिशन के प्रमुख कार्य

एक बूथ पर 11 लोगों की टीम बनाते हुए प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में 11 हजार कार्यकर्ताओं की सुप्रशिक्षित टीम तैयार की जा रही है। यही टीम विभिन्न स्थानों एवं स्तरों पर भिन्न भिन्न माध्यमों से अपने क्षेत्र में ढ़ाई से तीन लाख नए वोटरों को जोड़ेगी जो मोदीजी के लिए वर्ष 2024 में मत डालेंगें।

सोशल नेटवर्किंग को सुदृढ़ कर कुल 300 लोकसभा क्षेत्र में 20 करोड़ लोगों को जोड़ने का कार्य जारी है। 16 लाख से ज्यादा लोगों को जोड़ा जा चुका है।

लोकसभा चुनावों के लिए सामाजिक एवं सांस्कृतिक रुप से समृद्ध उम्मीदवारों का एक पैनल भी तैयार कर मोदीजी को प्रस्तुत किया जाना है।

खुले में शौच को रोकना, प्रत्येक घर में शौचालय का निर्माण करने के लिये प्रेरित करना तथा कचरे का उचित ढंग से निस्तारण में सहयोग सहयोग देना। इसके साथ–साथ लोगों में सफाई के प्रति जागरुकता उत्पन्न करना भी मिशन का मुख्य लक्ष्य है।

'मिशन मोदी अगेन पी एम' 2019 मोबाइल एप इसी वर्ष के अंत में लॉन्च किया जाएगा जिससे प्रचार प्रसार का आधुनिकतम माध्यम अपनाकर 300 लोकसभा क्षेत्रों में मोदीजी की योजनाओं का विस्तार किया जा सके। जन सामान्य से रिश्तों को सुदृढ़ करने के लिए सायकिलध्बाइक यात्राओं का आयोजन किया जाएगा।

मानव श्रृंखला, मतदान भारत निर्माण, सामाजिक समर्थन अभियान, मोदी के समर्थन में युवा, खोज खेल प्रतिभा, खोज कला प्रतिभा, मोदी विजय यात्रा, अश्वमेघ यज्ञ आदि अनुष्ठानों के माध्यम से मोदीजी के सपनों को साकार करने की पहल की गई है।

सुदूर गांवों में 'युवा रक्तदान क्लब' की स्थापना कर निर्धन लोगों को सहयोग प्रदान करने की विपुल योजना।

एक दृष्टि में : मिशन मोदी अगेन पी एम

राष्ट्रीय : 'मिशन मोदी अगेन पी.एम.' अत्यंत अल्प समय में अब तक 26 प्रांतों के 182 से भी अधिक जिलों में अपना दृढ़ संगठनात्मक ढाँचा खड़ा कर चुका है। 965 ब्लॉकों से गुजरते हुये 4209 से भी अधिक ग्राम सभाओं में इसका गठन हो चुका है।
ये सभी कार्यकारिणियाँ पिछले 2 वर्षों में 2400 से भी अधिक बैठकें कर चुकी हैं। प्रांत स्तर के प्रशिक्षण काय क्रम देश के 7राज्यों में आयोजित किये जा चुके हैं। इसमें 4500 से भी अधिक ब्लॉक स्तर से उपर के अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। पूरे भारत में 1 लाख 22 हजार कार्यकर्ता तथा 2,92,000 से भी अधिक आधिकारिक सदस्य मिशन के लक्ष्य प्राप्त करने के लिये सतत प्रयासरत हैं।

अंतरराष्ट्रीय : मिशन ने अमेरिका, इटली, ब्रिटेन, नेपाल, स्विटजरलैंड, स्वीडन, नीदरलैंड, स्पेन, आस्ट्रेलिया, जॉर्जिया, श्रीलंका, जापान की धरती पर अपना विस्तार कर चुका है। इन इकाइयों की नियमित बैठक होती हैं जिनके माध्यम से भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा से वो अपने को गौरवान्वित महसूस करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की नीतियों को बढ़ाने एवं अपने देश भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए संकल्पित हैं।

रामगोपाल काका
राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष

Email : info@modiagainpm.org
Website : http://www.modiagainpm.org
सम्पर्क सूत्र : 9457382238
सम्बद्ध : डेमोक्रेसी डवलपमेन्ट ट्रस्ट
फेसबुक : http://www.facebook.com/modiagainpm.org